Success Stories under PMMVY Scheme

केन्द्र सरकार की महत्वकान्क्षी प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना आम जनता के लिये कितनी कारगार साबित हो रही है, यह श्रीमति किरना देवी व श्रीमति सरोज देवी का अनुभव स्वयं ब्यान करता है। ये दोनों इस योजना को लेकर बहुत उत्साहित थी क्योंकि वे पहली बार मां बन रही थी।

2. **श्रीमति सरोज देवी पत्नी राजिन्द्र कुमार गाँव सलोह बेरी** के पति मनरेगा में दिहाड़ी करते हैं। केवल पति की आय पर ही सारा घर चलता है। ऐसे में वो पहली बार माँ बन रही थी। वो बहुत चिंतित थी कि इन हालातों में कैसे गुजारा होगा ? स्वस्थ बच्चे के जन्म के लिए अच्छी खुराक के लिए पैसे कहाँ से आयेंगे..? वो इसी दुविधा में थी कि उसी दिन आंगनवाडी कार्यकर्त्ता श्रीमती उषा उसके घर आई और उसे उपरोक्त योजना के बारे में बताया। उसे अब उम्मीद जाग गई थी। आंगनवाडी केंद्र में पंजीकरण पर उसे 1000/- रूपये की राशी प्राप्त हुई। प्रथम प्रसव पूर्व जाँच के बाद कार्यकर्ता ने फॉर्म ख भरा और उसे 2000/- रुपये की राशी प्राप्त हुई। अब संगीता की समस्या का समाधान हो गया था। वो अपने पोषण का ध्यान अच्छे से रख रही थी। आंगनवाडी कार्यकर्त्ता लगातार उसके सम्पर्क में थी और समय समय पर उसे स्वास्थ्य एवं पोषण की जानकारी भी दे रही थी। उसकी ख़ुशी का पारावार न था, जब वो एक स्वस्थ बच्चे की माँ बन गई थी। आंगनवाडी कार्यकर्त्ता के मार्गदर्शन और सहयोग से वो अपने बच्चे एवं स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रख पा रही थी। बच्चे के टीकाकरण पूरा होने के उपरांत उसे अंतिम तीसरी किश्त 2000/- रुपये के रूप में प्राप्त हुई। संगीता देवी आंगनवाडी कार्यकर्त्ता एवं विभाग और सरकार के प्रति बहुत आभार व्यक्त करती है।